उत्तरांचल शासन
वन एवं पर्यावरण अनुभाग–2
संख्या–१९७/दस–2–8(13)/2002
देहरादूनः दिनांक 31 मई, 2004

कार्यालय–ज्ञाप

कार्बेट राष्ट्रीय पार्क, उत्तरांचल के झिरना एवं सोना नदी क्षेत्रों का पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्व, इन क्षेत्रों को पर्यटक क्षेत्रों के रूप में विकसित करने की उपयोगिता के आंकलन, पर्यटन सम्बन्धी अस्थापना सुविधाओं के विकास एवं इस हेतु आवश्यक वित्तीय /तकनीकि स्रोतों /माध्यमों का चिन्हीकरण व इन क्षेत्रों को पर्यटकों के लिए वर्ष भर खुला रखे जाने आदि के सम्बन्ध में शासन को संस्तुतियां प्रस्तुत किए जाने हेतु समिति का गठन निम्नवत् किया जाता हैः–

1.	मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, उत्तरांचल	अध्यक्ष
2.	निदेशक, कार्बेट टाईगर रिजर्व, रामनगर, नैनीताल	सदस्य
3.	पर्यटन विभाग के प्रतिनिधि	सदस्य
4.	राज्य के दो ख्यातिप्राप्त गैर–सरकारी वन्य जीव विशेषज्ञ, जिनका नामांकन समिति के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा	सदस्य
5.	भारतीय वन्य जीव संस्थान के प्रतिनिधि	सदस्य

2. उक्त समिति अपनी रिपोर्ट दो माह के भीतर शासन को प्रस्तुत करेगी.

(बी.पी. पाण्डेय)
सचिव

संख्या– १९७ (1)/दस–2–2004, तद्दिनांकित.
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. प्रमुख वन संरक्षक उत्तरांचल, नैनीताल.
2. अपर सचिव, पर्यटन विभाग, उत्तरांचल शासन.
3. निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, चन्द्रबनी, देहरादून.
4. निदेशक, पर्यटन निदेशालय, पटेल नगर, देहरादून.
5. समिति के अध्यक्ष एवं समस्त सदस्यगण.
6. अभारी अधिकारी, एन.आई.सी. उत्तरांचल, सचिवालय, देहरादून.
7. गार्ड फाईल (ए)

(एस.पी. सुबुद्धि)
अपर सचिव